मैं क्यों लिखता हूँ

अज्ञेय

प्रदत्त कार्य-1 : भाषण

विषय : विज्ञान के दुरूप्रयोग को रोकने में साहित्य की भूमिका।

उद्देश्य :

- समझ एवं चिंतन का विकास।
- अध्ययन करने की प्रवृति का विकास।
- लेखन कौशल में वृद्धि और सुधार लाना।
- अनुशासन एवं आत्मविश्वास में वृद्धि।
- विज्ञान के साथ साहित्य की समझ।

निर्धारित समय : विद्यार्थी की संख्या के अनुसार

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. अध्यापक विद्यार्थियों को विषय के बारे में समझाएंगे।
3. विषय देकर सभी विद्यार्थियों को भाषण का समय तथा दिन बता दिया जाएगा।
4. सभी विद्यार्थी भाषण में भाग लें इस बात का ख्याल रखा जाए।
5. अध्यापक गतिविधि के लिए विद्यार्थियों को उत्साहित करें तथा मार्गदर्शन भी करें।
6. निश्चित पीरियड् से क्रमांक तथा तैयारी के अनुसार विद्यार्थियों से भाषण सुनेंगे।
7. अध्यापक प्रत्येक समूह के पास जाकर उनके कार्य का निरीक्षण करेगा।
8. तत्पश्चात् प्रत्येक समूह से एक प्रतिनिधि छात्र अपने लिखे हुए कार्य की प्रस्तुति करेगा।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषयवस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा

टिप्पणी :

- अध्यापक स्वतन्त्र रूप से अन्य मूल्यांकन बिन्दुओं द्वारा भी मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- जिन विद्यार्थियों ने अच्छा कार्य किया उनकी सराहना की जायेगी।
- अन्य छात्रों का मार्ग दर्शन किया जायेगा जिससे वह भी सही कार्य संपन्न कर सकें।

प्रदत्त कार्य–2 : प्रातः कालीन भ्रमण।

उद्देश्य :

- सुबह के प्राकृतिक वातावरण और दृश्यों को देखकर उन्हें अनुभव करने की प्रेरणा देना।
- लेखन कौशल में प्रवीण बनाना।
- सुबह की सैर स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है और रोगों से मुक्त रखती है, जानकारी देना।
- सृजनात्मक क्षमता की वृद्धि करना।
- सुबह जल्दी उठने के लिए प्रोत्साहित करना।
- अवकाश के दिनों में छात्र सुबह सैर करने जाएँ, इसके लिए प्रेरित करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. अध्यापक कक्षा को चार समूहों में विभक्त करेंगे।
   - ★ एक समूह ऐसा बनाया जायेगा जो चित्रकला में रुचि रखते हो उन्हें प्रातः कालीन दृश्य चित्रित करने के लिए दिया जाएगा।
   - ★ एक समूह को प्रातः कालीन भ्रमण अथवा दृश्य पर कविता लिखने को कहा जायेगा।
   - ★ एक समूह प्रातः कालीन भ्रमण के लाभ लिखते हुए एक अनुच्छेद लिखेगा।
   - ★ अन्तिम समूह मित्र को पत्र लिखेगा जिसमें प्रातः कालीन भ्रमण के लिए प्रेरित किया जायेगा।
3. सभी समूहों को प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 25 मिनट दिए जाएँगे।
4. मूल्यांकन बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखे जायेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- प्रस्तुतीकरण
- सम्पूर्ण प्रभाव

टिप्पणी :

- इस गतिविधि के लिए शिक्षक अपनी इच्छानुसार किन्हीं और बिन्दुओं द्वारा भी मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- सर्वोत्तम समूह के कार्य को कक्षा में लगाया जाए।
- उनके कार्य की प्रशंसा की जाए।
- सबसे कम अंक पाने वाले समूह को प्रोत्साहन दिया जाए कि वह बेहतर कार्य करके दिखाएँ।

प्रदत्त कार्य-3 : रिपोर्ट तैयार करना।

विषय : हिरोशिमा परमाणु विस्फोट पर जानकारी प्राप्त कर रिपोर्ट तैयार करना।

उद्देश्य :

- हिरोशिमा के बारे में जानकारी।
- चिंतन एवं समझ का विकास।
- रिपोर्ट लिखने की कला का विकास।
- प्रस्तुति एवं भाषा का विकास।
- ऐतिहासिक एवं सामाजिक परिवर्तन की समझ का विकास।

निर्धारित समय : एक सप्ताह जानकारी एकत्र करने के लिए एवं एक कालाशं प्रस्तुति के लिए।

प्रक्रिया :

1. अध्यापक अपनी सुविधानुसार सामूहिक तथा व्यक्तिगत कार्य करा सकते हैं।
2. सर्वप्रथम अध्यापक कार्य के स्वरूप को समझाएंगे।
3. कक्षा को अपनी सुविधानुसार एकक या सामूहिक वर्ग में विभाजित कर लें।
4. प्रत्येक समूह या विद्यार्थी को कार्य पूरा करने के लिए समय दिया जाएगा।

5. निर्धारित समय पर विद्यार्थियों के कार्य को एकत्रित कर मूल्यांकन के आधार पर अध्यापक मूल्यांकन करेंगे।

6. कार्य देने से पहले मूल्यांकन के आधार विद्यार्थियों को बता दिया जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- प्रभावशाली रिपोर्ट
- साधारण रिपोर्ट
- अतिसाधारण

टिप्पणी :

- इसके अतिरिक्त शिक्षक स्वतन्त्र रूप से भी मूल्यांकन आधार तैयार कर सकता है।

प्रतिपुष्टि :

- प्रत्येक समूह को उत्साहित करते हुए उनहें सराहा जायेगा।
- सक्रिय भाग न लेने वाले छात्रों को सुझाव दिए जायेंगे जिससे उनके कार्य में सुधार आए।

प्रदत्त कार्य-4 : सामूहिक चर्चा

विषय : सभ्यता के विकास के लिए विवेक आवश्यक - सामूहिक चर्चा।

उद्देश्य :

- विकास के अर्थ को समझेंगे।
- चिंतन एवं भावनात्मक कौशल का विकास।
- अभिव्यक्ति का विकास।
- अनुशासन एवं आत्मविश्वास का विकास।
- सहभागिता एवं समानुभूति की भावना का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. अध्यापक विषय को स्पष्ट कर परिचर्चा आरंभ करेंगे।
3. परिचर्चा में सभी समूहों के योगदान का ध्यान रखेंगे।

4. समूह के साथ विद्यार्थियों का भी ध्यान रखें कि प्रत्येक विद्यार्थी परिचर्चा में भाग ले सके।

5. अध्यापक इस बात का ध्यान रखें कि कौन सा समूह तथा विद्यार्थी परिचर्चा में अच्छा प्रदर्शन कर रहा हैं।

6. चर्चा आरंभ करने से पहले विद्यार्थियों को मूल्यांकन बिन्दु बता दिए जाएं।

7. मूल्यांकन बिन्दु श्याम पट्ट पर लिखे जायेंगे।

8. अध्यापक सुविधानुार मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- विषय वस्तु
- प्रस्तुतीकरण
- भाषा

टिप्पणी :

- अध्यापक स्वेच्छा पूर्वक किन्हीं अन्य मूल्यांकन बिन्दुओं द्वारा भी मूल्यांकन कर सकता है।

प्रतिपुष्टि :

- जिस समूह ने सर्वोत्तम लिखा उनकी सराहना की जायेगी तथा कक्षा में पढ़कर सुनाया जा सकता है।
- अन्य समूह के छात्रों को प्रोत्साहन दिया जाएगा जिससे उनका कार्य बेहतर हो सके।

प्रदत्त कार्य-5 : डायरी लेखन

विषय : व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी घटना का वर्णन।

उद्देश्य :

- डायरी लेखन विधा से परिचित कराना।
- अपने कार्य को योजनाबद्ध ढंग से लिखना सिखाना।
- स्वयं के विचारों को सुनियोजित रूप देना सिखाना।
- समय, तिथि, घटनाओं को स्मरण रखने की प्रवृत्ति का विकास करना।
- एकाकी क्षणों में डायरी पढ़ने का आनन्द लेना।
- लेखन कौशल का विकास करना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

- यह कार्य अध्यापक द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक विद्यार्थी को दिया जायेगा।
- अध्यापक कुछ संकेत श्यामपट्ट पर लिखेगा जैसे स्थान, समय, कारण इत्यादि।
- छात्र अपने जीवन से जुड़ी किसी घटना का उल्लेख तिथि समयानुसार करेंगे।
- छात्र किसी आंखों देखी घटना का वर्णन भी कर सकते हैं जिसका प्रभाव उनके मानस पटल पर काफी गहरा है।
- लेखन के पश्चात् शिक्षक सबसे सामग्री एकत्र करके सुविधानुसार मूल्यांकन करेंगे।
- मूल्यांकन आधार बिन्दु श्याम पट्ट पर लिखे जायेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिन्दु :

- लेखन कौशल
- भाषायी दक्षता
- समग्र प्रभाव

टिप्पणी :

- अध्यापक अन्य आधार बिन्दुओं द्वारा भी मूल्यांकन कर सकता है।

प्रतिपुष्टि :

- जो छात्र लिखने में असमर्थ हैं, उन्हें अध्यापक द्वारा मार्ग दर्शन दिया जाएगा।
- प्रतिभाशाली छात्रों की सराहना की जायेगी।
- किसी रोचक घटना को कक्षा में पढ़कर भी सुनाया जा सकता है।